दैनिक अंबर, 25 अप्रेल 2019

चित्राथ डागर मेमोरियल अवॉर्ड समारोह आयोजित हुआ

बदैनिक अंबर

पिलानी(कैलाशपति रूंथला)। बिट्स पिलानी परिसर में बिट्स के पूर्व मेकैनिकल संकाय के छात्र, स्व.चित्राथ डागर की स्मृति में पिछले 5 वर्षों से आयोजित की जाने वाली चित्राथ डागर अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का आयोजन मेकैनिकल इंजीनियरिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। स्व.चित्राथ के माता-पिता चित्राथ मेमोरियल अवॉड से मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करने के लिए मौजूद थे,इस अवसर पर पिलानी परिसर निदेशक प्रोफेसर अशोक कुमार सरकार,मैकेनिकल विभाग केविभागाध्यक्ष प्रो.एम एस दासगुप्ता और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के कई संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे। चित्रार्थ को श्रद्धांजलि देने के लिए समारोह की शुरुआत गुरुकुल संगीत क्लब के छात्रों द्वारा संगीत के प्रदर्शन से किया गया। इस वर्ष के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र के लिए चित्रार्थ डगर मेमोरियल पुरस्कार दिव्या राठौड़ को प्रदान किया गया। उन्हें उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता,नेतृत्व कौशल और प्रभावशाली सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के आधार पर सम्मानित किया गया। छात्रा को 20,000 रूपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। संगीत का पुरस्कार मैकेनिकल में चौथे वर्ष की छात्रा राधिका नारंग को मिला,जिसने गुरुकुल संगीत क्लब में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी और योगदान दिया। चित्राथ बिट्स के होनहार छात्रों में से थे एवं गुरुकुल समिती के सक्रिय सदस्य थे तथा अपने जीवन्तकाल में उन्होंने ओएसिस एवं अपोजी में गुरुकुल का नेतृत्व भी किया था। उनके आकस्मिक देहांत के उपरांत उनकी याद में इस समारोह का आयोजन किया जाता है।

Ms. Divya Rathore

Ms. Radhika Narang

दैनिक अंबर, 25 अप्रेल 2019

बिट्स पिलानी लाइब्रेरी में 11-15 वर्ष के बच्चों के लिए विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस पर फर्स्ट बुक लिखा और इलस्ट्रेटेड मी नामक एक प्रतियोगिता का आयोजन किया

दैनिक अंबर

पिलानी(कैलाशपति रूंथला)। बिट्स पिलानी लाइब्रेरी में 11-15 वर्ष के बच्चों के लिए विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस 2019 मनाने के लिए फर्स्ट बुक लिखा और इलस्ट्रेटेड मी नामक एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में तकरीबन 33 बच्चों ने भाग लिया। गिरिधर कुनकुर,लाईब्रेरियन ने इस प्रतियोगिता की अवधारणा को क्रियान्वित किया। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए यह एक वास्तविक बड़ी चुनौती थी क्योंकि इसमें उच्च स्तर की कल्पना शामिल थी,अपने विचारों को रचनात्मक लेखन में परिवर्तित करना और साथ ही कहानी के प्रवाह के साथ जाने के लिए जो उन्होंने कल्पना की थी,उसे चित्रित कर अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन करना था। प्रतियोगिता का उदेश्य

पुस्तक लिखने के दौरान सभी आवश्यक तत्वों जैसे कल्पना, विचार, संरचना, कथानक, चरित्र-चित्रण,लंबाई,शैली और आकर्षक चित्रों के बारे में ज्ञान देना था और कॉपीराइट के बारे में जागरूकता से अवगत कराना था। प्रो सुरेखा भनोत,प्रो. देविका, डॉ. ऋषिकेश वैद्य,नवजोत कौर और श्यामा प्रसाद दत्ता इस पैनल के जज थे जिन्होने विजेताओं का चयन किया।

इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथी निदेशक पिलानी परिसर प्रो.अशोक कुमार सरकार थे,वरिष्ठ प्रोफेसर एमरिटस प्रो.चन्द्र शेखर ने जॉय ऑफ रीडिंग,सीमा सिन्हा,बिड़ला बालिका विद्यापीठ ने उल्लेख किया कि वह बचपन से ही रामधारी सिंह दिनकर की काव्य रचनाओं से कैसे प्रभावित थी,उन्होंने सभी को एक करीबी दोस्त के रूप में पुस्तक बनाने की सलाह दी। पवन वशिष्ठ,प्रिंसिपल,बिड़ला शिशु विहार ने सभी को पढ़ने के महत्व के बारे में बताया। प्रो.सरकार ने पुस्तकालय द्वारा बच्चों को किताबें लिखने और समझाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रेणुका कादियाने,द्वितीय पुरस्कार ईशा गोयल और तृतीय पुरस्कार तरुण कुमारी को दिया गया इसके साथ ही 5 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। डॉ.इशप्पा बंडी,डिप्टी लाइब्रेरियन ने सभी धन्यवाद प्रेशित किया।

दैनिक भास्कर, 25 अप्रेल 2019

दिव्या व राधिका को चित्रार्थ डागर मेमोरियल अवार्ड

पिलानी | बिट्स पिलानी में चित्रार्थ डागर मेमोरियल अवार्ड समारोह हुआ। बिट्स निदेशक प्रो. एके सरकार ने अध्यक्षता की। मैकेनिकल विभाग के एचओडी प्रो. एमएस दासगुप्ता ने मैकेनिकल संकाय के पूर्व छात्र चित्रार्थ डागर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पांच साल से डागर के माता-पिता हर वर्ष मेधावी स्टूडेंट्स को चित्रार्थ की स्मृति में नकद पुरस्कार देते हैं। गुरुकुल संगीत क्लब के स्टूडेंट्स ने गीत की प्रस्तुति से डागर को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर दिव्या राठौड़ को चित्रार्थ डागर मेमोरियल अवार्ड के रूप में 20 हजार रुपए नकद व स्मृति चिह्न देकर तथा राधिका नारंग को संगीत का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

राधिका नारंग।

दिव्या राठौड़।

दैनिक भास्कर, 25 अप्रेल 2019

पुस्तक बनाओ प्रतियोगिता में रेणुका रही विजेता

बिट्स पिलानी की लाइब्रेरी में विश्व पुस्तक व कॉपीराइट दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि बिट्स निदेशक प्रोफेसर एके सरकार थे। लाइब्रेरियन गिरधर कुनकुर ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 11 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए फस्ट बुक रिटन एंड ईल्युस्ट्रेटेड बाय मी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें रेणुका कादियान ने प्रथम रहीं।

राजस्थान पत्रिका, 25 अप्रेल 2019

दिव्या एवं राधिका को चित्रार्थ डागर पुरस्कार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पिलानी. बिट्स में चित्रार्थ डागर स्मृति पुरस्कार बुधवार को प्रदान किए गए। संस्थान के मीडिया प्रभारी ने बताया कि संस्थान के पूर्व विद्यार्थी चित्रार्थ डागर की स्मृति में उस के माता पिता की ओर से प्रदान किए जाने वाले चित्रार्थ डागर वार्षिक पुरस्कार बुधवार को प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान निदेशक डा. अशोक कुमार सरकार, मैकेनिकल विभागाध्यक्ष प्रो. एमएस दासगुप्ता तथा चित्रार्थ के माता पिता उपस्थित हुए।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में संस्थान में संचालित गुरूकुल संगीत क्लब की ओर से विद्यार्थियों ने संगीत की प्रस्तुति देकर चित्रार्थ डागर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अतिथियों ने संस्थान में मैकेनिकल इंजिनियरिंग की छात्रा दिव्या राठौड़ तथा संगीत के क्षेत्र का अवार्ड राधिका नारंग को प्रदान किया।

राजस्थान पत्रिका, 25 अप्रेल 2019

विश्व पुस्तक दिवस पर बिट्स में किशोर लेखकों का सम्मान

पिलानी. बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस (बिट्स) की लाइब्रेरी की ओर से 11 से 15 आयु वर्ग के बच्चों के लिए पुस्तक लेखन प्रतियोगिता फस्ट बुक रिटन एण्ड एलिस्ट्रेट बाइ मी का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले किशोर लेखकों का विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर मंगलवार को संस्थान में कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। संस्थान के लाईब्रेरियन गिरिधर कुनकुर ने बताया कि विद्यार्थियों में लेखन के प्रति रूचि पैदा करने के लिए पिछले दिनों प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने विषय चयन,क ल्पना शक्ति आदि स्वयं ही चुने। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पुस्तक लेखन में रेणुका काद्यान प्रथम,ईशा गोयल दूसरे एवं तरूण कुमारी को तीसरा पुरस्कार मिला। जबकि पांच विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयन किया गया। उन्होंने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान निदेशक डा. अशोक कुमार सरकार मुख्य अतिथि थे। संस्थान सीनियर प्रोफेसर डा. चन्द्रशेखर ने जॉय ऑफ रीडिंग पर चर्चा की। बिरला बालिका विद्यापीठ बर्शर डा. सीमा सिन्हा,बिरला शिशु विहार स्कूल प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने भी विचार साझा किए। अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

पिलानी. बिट्स के किशोर लेखकों का सम्मान करते हुए।